छुट्टियों के लिए गतिविधियां

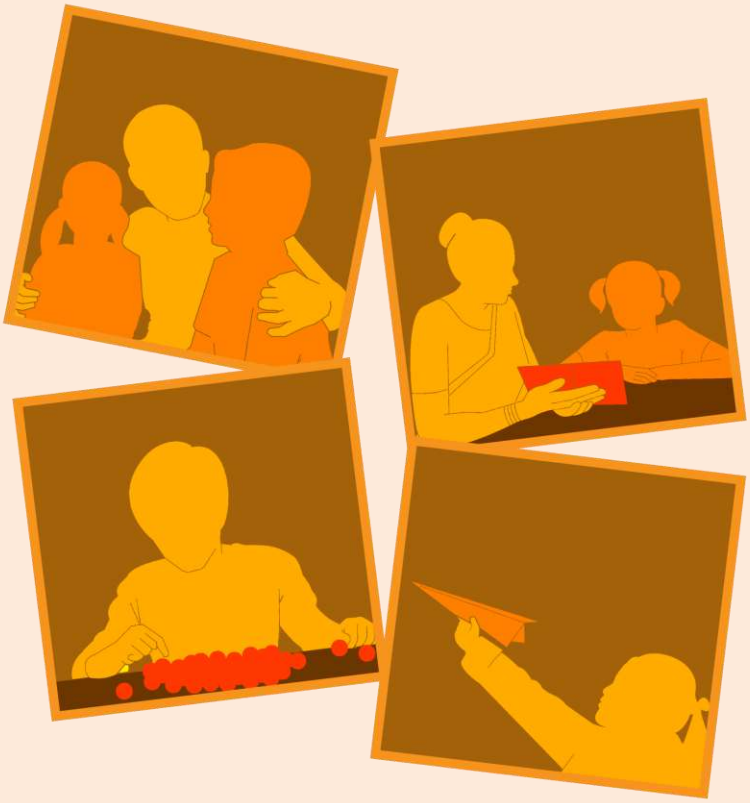

SHANTiLAL MUTTHA FOUNDATiON

इस पुस्तिका का क्या उद्देश्य है?

कोविड-19 संक्रमण रोकने के लिए लॉकडाउन की घोषणा के कारण बच्चों को लंबी छुट्टी मिल रही है. लेकिन, इस छुट्टी में उनसे घर के बाहर जाने या खेलने की अपेक्षा नहीं की जा सकती है.

यह स्थिति बच्चों और परिजनों के लिए मुश्किल हो सकती है.

दूसरी तरफ, इस स्थिति का एक सकारात्मक पहलू भी है. इस दौरान बच्चों के लिए अनेक प्रकार की मनोरंजक गतिविधियां आप अपने घर पर आयोजित कर सकते हैं.

बिना पैसे खर्च करते हुए इस प्रकार की गतिविधियों को कैसे आयोजित किया जा सकता है, इस बारे में प्रस्तुत पुस्तिका में जानकारियां दी गई हैं.

पुस्तिका में दी गईं गतिविधियों में कई गतिविधियों को आप कई बार ले सकते हैं. वहीं, कुछ गतिविधियों को करने में एक से अधिक दिन लगेंगे.

ये गतिविधियां इस प्रकार लाभदायक होंगी

- बच्चे व्यस्त रहेंगे.
- उनमें भाषा, गणित, कला आदि विषयों से संबंधित कौशल विकसित होंगे.
- आपको बच्चों के साथ आपसी संबंध मजबूत करने का मौका मिलेगा.

- बच्चों को इन गतिविधियों से आनंद मिलेगा.

गतिविधियों के भाग

- भाषा
- गणित
- परिसर
- कला

गतिविधियां किनके लिए हैं?

इस पुस्तिका में दी गईं सभी गतिविधियां प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए हैं. लेकिन, इनमें कुछ फेरबदल करके आप ये गतिविधियां उनसे बड़े बच्चों या किशोर अवस्था के बच्चों के लिए भी आयोजित कर सकते हैं.

यहां दी गईं गतिविधियों को एक ही आयु-वर्ग (4-6, 6-8 वर्ष आदि) के एक या अनेक बच्चों के साथ आयोजित कराया जा सकता है.

यदि आपके बच्चे अलग-अलग आयु-वर्ग के हैं तो उनके लिए अलग-अलग गतिविधि आयोजित करना बेहतर होगा.

कितना समय देना है?

हर दिन 1-3 गतिविधि लेनी चाहिए.

जितनी बार संभव हो, उतनी बार गतिविधियों में मामूली बदलाव करके उन्हें बार-बार लेने का प्रयास करें.

आप खुद गतिविधि तैयार करें

आप यहां सुझाई गई गतिविधियों के आधार पर खुद भी गतिविधियां तैयार कर सकते हैं. इसी प्रकार की गतिविधियां इंटरनेट पर भी देखी जा सकती हैं.

लेकिन, हर दिन पूर्णत: नई गतिविधियों को करने से बचें.

शुरुआत करने से पहले

- बच्चों को गतिविधियों के बारे में जानकारी दें. गतिविधि के बारे में उनकी जिज्ञासा को जागृत करें.

- दैनिक गतिविधियों के लिए कुछ समय निर्धारित करें. यह न्यूनतम 10 मिनट से लेकर अधिकतम 1 घंटे तक हो सकता है.

- बच्चों को दैनिक समय-सारणी की योजना बनाने और उसका पालन करने में मदद करें.

दैनिक समय-सारणी कई कारणों से उपयुक्त है:

1. बच्चे निर्धारित दिनचर्या पसंद करते हैं.

2. वे अपने समय का बेहतर उपयोग करते हैं.

3. विशिष्ट दिनचर्या का पालन से बच्चों में अच्छे गुणों का विकास होता है.

गतिविधि कैसे आयोजित करें?

- पहले गतिविधि को पढ़ें.
- फिर बच्चों को गतिविधि के बारे में संक्षेप में बताएं.
- क्या करना है, इस बारे में बच्चों को स्पष्ट निर्देश दें.
- बच्चों को प्रत्येक गतिविधि के लिए पर्याप्त समय दें.
- गतिविधि को पूरा करते समय बच्चों का चुपचाप निरीक्षण करें. उन्हें सुझाव देने या टीका टिप्पणी करने से बचें.
- बच्चों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करें.

अनुक्रमणिका

1. भाषा विषय की गतिविधियां 6

2. गणित विषय की गतिविधियां 16

3. परिसर विषय की गतिविधियां 22

4. कला विषय की गतिविधियां 26

1. भाषा विषय की गतिविधियां

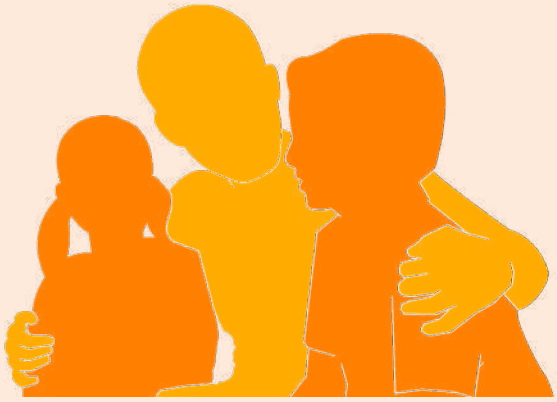

कई मजेदार गतिविधियां हैं जो बच्चों को उनकी भाषा कौशल विकसित करने के लिए घर पर ही की जा सकती हैं.

ये गतिविधि करते हुए निम्नलिखित निर्देशों पर ध्यान दें:

- बच्चों को अपने शब्दों में खुद को व्यक्त करने की अनुमति दी जानी चाहिए.
- बच्चों द्वारा बोलते और लिखते समय उनकी भाषा संबंधी गलतियों को सुधारने से बचना चाहिए. (देखें: 'भाषा की त्रुटियों को कैसे ठीक करें'.)

गतिविधियों में : बात करने के लिए समय

किसी विशेष विषय के बारे में बच्चों से बात करने के लिए हर दिन कम से कम 5-10 मिनट निर्धारित करें. बच्चों के साथ चर्चा करके आप विषय चुन सकते हैं.

उन विषयों को चुनने से बचें जो बच्चों को परेशान या भयभीत करते हैं.

उदाहरण के लिए कुछ विषय:

- मेरा सबसे अच्छा दोस्त / मेरी सबसे अच्छी सहेली
- मेरे शौक
- मेरे जीवन की सबसे आनंददायक घटना
- मेरी सबसे पसंदीदा चीज
- मैं स्कूल में क्या करता / करती हूं.
- कल मैंने क्या किया

निश्चित किए गए विषय पर संवाद कायम करने के लिए कोई एक शांत जगह चुन लीजिए. बच्चों से कुछ प्रश्न पूछकर संवाद शुरू किया जाना चाहिए. इसके बाद, जब बच्चे बोलने लगें तब आप उनसे अधिक प्रश्न पूछ सकते हैं.

निरीक्षण करें कि बच्चे चेहरे के हाव-भाव और हाथ के इशारे से अपनेआप को व्यक्त करते हैं. उन्हें प्रतिक्रिया देते समय आप भी इस प्रकार के हाव-भाव या हाथ के इशारे कर सकते हैं.

निर्धारित विषय के अंतर्गत.संवाद को सीमित रखें.

यहां 6 वर्ष की लड़की के सबसे अच्छे मित्र के बारे में उससे किए गए संवाद का नमूना दिया गया है:

पालक:

आज हम तुम्हारे मित्रों के बारे में बात करेंगे. तुम्हारे बहुत मित्र हैं. हैं न?

लड़की:

हां. खूब हैं. मेरे बहुत सारे मित्र हैं...(हाथ फैलाकर)

पालक (हंसते हुए):

बहुत अच्छा! अब मुझे बताओ कि तुम्हारा सबसे अच्छा मित्र या सहेली कौन है?

लड़की:

समीर

पालक:

अरे वाह! समीर. वह तुम्हारा सबसे अच्छा मित्र क्यों है?

लड़की:

क्योंकि...(सोचते हुए) क्योंकि...

पालक (शांतिपूर्वक प्रतीक्षा करते हैं):

क्योंकि...

लड़की:

वह मेरे साथ खेलता है. वह हमेशा खेलने को तैयार रहता है.

पालक (हंसते हुए):

कितना अच्छा है! तुम कौन कौन से खेल खेलती हो?

गतिविधि : कहानी

ज्यादातर बच्चे कहानी सुनना पसंद करते हैं. कहानी के माध्यम से बच्चों में विभिन्न प्रकार के कौशल विकसित किए जा सकते हैं:

- ध्यानपूर्वक सुनना
- किसी परिस्थिति पर विचार करना
- अन्य व्यक्तियों को समझाना
- नए शब्द और अवधारणा सीखना
- घटना का क्रम समझना

बच्चों को कहानी सुनाने के कई तरीके हैं:

-आप किसी की लिखी कहानी सुना सकते हैं या आप खुद एक कहानी तैयार करके सुना सकते हैं. बच्चे कहानी की दुनिया में प्रवेश कर सकें, इसके लिए आप कहानी सुनाते समय अपनी आवाज में उतार-चढ़ाव कर सकते हैं, या हाथों के इशारों से कहानी को मनोरंजक बना सकते हैं.

- आप किताब से कहानी पढ़ सकते हैं.

- आप अपने मोबाइल या कंप्यूटर पर कहानी की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग डाल सकते हैं.

- अगर कहानी बड़ी है, तब कहानी की मुख्य घटनाओं के बाद रुकें. बच्चों को कहानी का कोई भाग समझ आया या नहीं, यह समझने के लिए उनसे कुछ प्रश्न पूछें. आप बच्चों से इस प्रकार पूछ सकते हैं: तुम्हें क्या लगता है कि आगे क्या घटा होगा?

बच्चों को कहानी सुनाने के बाद आप उनसे पूछ सकते हैं:

- तुम्हें यह कहानी कैसी लगी?

- कहानी में क्या-क्या हुआ?

- उसने (किसी पात्र ने) ऐसा क्यों किया?

- अगर उसने ऐसा नहीं किया होता तो?

आप एक कहानी कई बार सुना सकते हैं. बच्चों द्वारा एक कहानी अच्छी तरह से समझाने के बाद, आप अलग-अलग चरणों में रुककर बच्चों से पूछ सकते हैं: फिर आगे क्या हुआ?

आगे आप बच्चों को यही कहानी उन्हें उनके शब्दों में बताने के लिए कह सकते हैं.

गतिविधि : अभिनय सहित गीत गाना

ऐसा गीत चुनें ताकि बच्चे उसे समझें और आपके साथ आसानी से गा सकें. गीत के अनुरूप अभिनय करें और बच्चों से भी अभिनय करने के लिए कहें.

आप गाने के साथ संगीत देने के लिए रोजमर्रा की कुछ वस्तुओं का उपयोग कर सकते हैं!

गतिविधि : कहानी बनाना

आप बच्चों को खुद से कहानी बनाने के लिए कह सकते हैं या आप उनके साथ कहानी बना सकते हैं.

इस कहानी को तैयार करने के लिए आप कोई शब्द या वाक्य से शुरुआत कर सकते हैं. उदाहरण:

- दो झूठ बोलने वाले बंदर
- एक बिल्ली और एक कुत्ता
- एक बच्ची स्कूल के लिए निकली. इस दौरान बहुत तेज बरसात होने लगती है.
- एक स्वाभिमानी राजा था.

बच्चे खुद कहानी बनाएंगे, उसका भले ही गहरा अर्थ न निकले. लेकिन, जब तक बच्चे अपने शब्दों से खुद कहानी तैयार करते हैं, तब तक उनके ऐसा करने पर कोई आपत्ति नहीं!

कहानी बनाने के बाद बच्चों से उस कहानी से संबंधित किसी एक पात्र या घटना का चित्र बनाने के लिए कहें. थोड़े बड़े बच्चों को उनकी कहानी उनके शब्दों में लिखने के लिए कहें.

गतिविधि : चित्रों के बारे में बोलना

एक फोटो या चित्र चुनें और नीचे दिए गए उदाहरण का उपयोग करते हुए बच्चे के साथ संवाद करें:

- आप इस चित्र में क्या देखते हैं?
- और क्या है?
- (चित्र में किसी चीज का) रंग क्या है?
- यह व्यक्ति क्या करता है? तुम्हें क्या लगता है कि वह व्यक्ति ऐसा क्यों कर रहा है?

निर्देश : भाषा संबंधी गलतियों को ठीक करना

किसी भी तरह का अध्ययन करते समय गलतियां होना स्वाभाविक है. इसलिए, इस बारे में बहुत अधिक चिंता करने का कोई कारण नहीं है. विशेष तौर पर, भाषा के संबंध में शुरुआत में खुद को व्यक्त करना यह 'अचूक' वाक्य में बात करने से अधिक महत्वपूर्ण है.

अर्थात, गलतियों को पूर्णत: अनदेखा करने से काम नहीं चलेगा. इसलिए, आप निम्नलिखित उपाय अपना सकते हैं:

- बच्चों को बोलते और लिखते समय उनकी अपनी गलतियों को बताने से बचें.
- बच्चों के लिखने या बोलने के बाद, उनके गलत वाक्यों को इस प्रकार सुधारा जाना चाहिए: मतलब, क्या तुम यह कहना चाह रहे थे कि...
- थोड़े बड़े बच्चों को उनके द्वारा गलत वाक्य और शब्दों को सही लिखने के लिए कहें.
- यदि किसी वाक्य या शब्द सही तरह से लिखने के संबंध में आपको संदेह है तो अन्य किसी व्यक्ति से पूछें या छोड़ दें.

गतिविधि : शब्दों संबंधित खेल

घर पर विभिन्न प्रकार के शब्दों से संबंधित खेल खेले जा सकते हैं. परिवार के सभी सदस्य यह भाग ले सकते हैं.

#1.

कोई विशेष अक्षर लेते हुए उससे शुरू होने वाले अधिक से अधिक शब्द सभी खिलाडियों को बोलकर दिखाना है.

पहले ही बोला गया शब्द किसी खिलाड़ी द्वारा पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता है.

जो सबसे मुश्किल शब्द का उच्चारण करेगा वह 'विजेता' होगा. (यह देखें कि क्या सभी बच्चे विजेता घोषित किए जा सकते हैं.) यही खेल अलग-अलग अक्षरों का उपयोग करते हुए खेलें.

#2.

उपरोक्त खेलों में कुछ अन्य नियम जोड़कर इन्हें और अधिक चुनौतीपूर्ण बनाया जा सकता है:

- व्यक्ति का नाम नहीं लेना है.
- केवल लड़कियों/महिलाओं का नाम लेना है.
- केवल जगह का नाम लेना है.
- केवल गुण दर्शाने वाले शब्दों का उपयोग करना है.

#3

कागज के एक टुकड़े पर चार कॉलम और 6-8 आड़ी पंक्तियों की एक तालिका बनाएं.

इन कॉलमों में इस प्रकार के शीर्षक दें: अक्षर, स्थान, नाम, वस्तु.

पहले कॉलम की पहली आड़ी पंक्तियों में एक अक्षर लिखें. बच्चों से इस अक्षर से शुरू होने वाले व्यक्ति का नाम, स्थान का नाम और वस्तु के नाम के बारे में विचार करने के लिए कहें. प्रत्येक आड़ी पंक्ति में उनके उत्तर लिखने के लिए कहें.

(यदि वे सही तरह से नहीं लिख सकते हैं तो उनकी तरफ से आप उनके द्वारा बताए उत्तर लिखें और लिखने के बाद उनसे कहें कि वे हर शब्द का सही उच्चारण बोलकर बताएं.)

आप उन्हें कुछ शब्द सुझा सकते हैं, लेकिन बच्चों को पूरा प्रयास करना चाहिए. (और कई बार आपको भी हर कॉलम के लिए उचित शब्द बताना मुश्किल होगा.)

2. गणित विषय की गतिविधियां

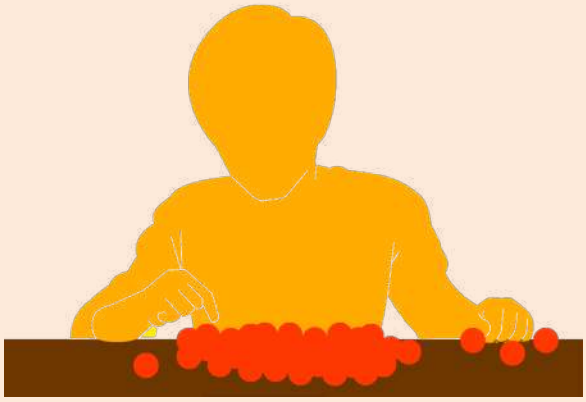

कई प्रकार की गणित की गतिविधियां होती हैं जिन्हें बिना पाठ्यपुस्तक के घर पर आयोजित किया जा सकता है.

अपने बच्चे के अध्ययन स्तर के अनुसार निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनें. बच्चों को किसी भी प्रकार की विचारोत्तेजक बात या उत्तर न बताते हुए इस गतिविधि में भागीदार बनाना चाहिए.

गतिविधि : छोटा और बड़ा

पेन, पेन्सिल, सिक्के, बटन, चप्पल, स्क्रू ड्राइवर या विभिन्न आकार के कागज के टुकड़े जमीन पर बिखेर दें.

इसके बाद बच्चों से पूछें:

- इनमें सबसे छोटी वस्तु कौन-सी है?

- इनमें सबसे बड़ी (या सबसे ऊंची) वस्तु कौन-सी है?

- क्या आप इन वस्तुओं को एक पंक्ति में सबसे छोटी वस्तु से लेकर सबसे बड़ी वस्तु तक एक क्रम में रख सकते हैं?

गतिविधि : आसान गणना

अपने किचन में उपलब्ध वस्तुओं का उपयोग करके बच्चों को अंकों की गणना सिखाई जा सकती है. उदाहरण:

#1.
बच्चों को एक थैले में प्याज भरकर दें और उनसे कहें: मुझे 5 प्याज दो...अब मुझे और 4 प्याज दो.

#2
एक थैले में कुछ आलू भरें और बच्चों से पूछें: तुम्हें क्या लगता है कि इस थैली में कितने आलू हैं? पक्का? गिनो और मालूम करो.

#3
कुछ प्याज व बैगन जमीन पर रखें और बच्चों से पूछें: इनमें से प्याज ज्यादा हैं या बैगन?...कितनी ज्यादा हैं?

#4
बच्चों से पूछें: ऐसी कल्पना करो कि हमारे घर छह व्यक्ति भोजन करने के लिए आने वाले हैं. उनका भोजन बनवाने के लिए हमें कितनी थाली, कटोरी, चम्मच और ग्लास चाहिए? क्या आप उन्हें एक मेज पर रख सकते हैं?

गतिविधि : निरीक्षण और गिनती

बच्चों को घर के चारों ओर घूमने के लिए कहें और इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए कहें (एक बार में केवल एक प्रश्न पूछें):

#1. अपने घर में कितनी खिड़कियां हैं? कितने दरवाजे हैं?

#2. इस कमरे में कितनी फर्शियां हैं?

#3 तुम जहां बैठे हो, वहां पीले रंग की कितनी वस्तुएं दिखाई दे रही हैं? लाल रंग की कितनी वस्तुएं दिखाई दे रही हैं?

#4. अपने घर में किस पौधे पर सबसे ज्यादा पत्ते हैं? सबसे कम पत्ते वाले पौधा कौन-सा है?

गतिविधि : व्यावहारिक गणित

बच्चों को एक स्केल, एक पेन और कागज दें. उनसे पूछें:

#1. तुम इस कमरे की लंबाई कैसे नाप सकते हो? क्या तुम मुझे इस कमरे की लंबाई बता सकते हो?

#2. क्या इस कार्य को तीव्रता से करने का कोई विकल्प है?
(टिप्पणी: ऐसी रस्सी का उपयोग माप के दौरान किया जा सकता है, जिसकी लंबाई तुम्हें ज्ञात है.)
#3. इस कमरे का क्षेत्रफल कितना है?

#4. इस कमरे के क्षेत्रफल और बाजू के कमरे के क्षेत्रफल में कितना अंतर है?

गतिविधि : रुपए और पैसे

बच्चों को 5, 10 और 100 रुपए के नोट और अलग-अलग मूल्य के कुछ सिक्के दें.

फिर आप उन्हें इस प्रकार पैसे से संबंधित गणित के प्रश्न हल करने के लिए कहें:

- मैंने कुल कितना पैसा दिया, क्या यह तुम मुझे बता सकते हो?
- कुल राशि 1,000 रुपए होने के लिए तुम्हें और कितना पैसा देना होगा?
- क्या तुम मुझे पच्चीस रुपए दे सकते हो?
- तुम्हारे पास 10 रूपए के कितने नोट हैं? यदि तुम्हें 10 रुपए के अन्य 14 नोट दिए जाते हैं तो सभी 10 रुपए के नोटों को मिलाने के बाद उनका कुल मूल्य कितना होगा?...और तुम्हारे पास कुल कितना पैसा है?

गतिविधि : दुकानदार

सब्जी, कपड़े या चप्पल का उपयोग करते हुए बच्चों को एक छोटी दुकान के बारे में सोचने के लिए कहें.

बच्चों के साथ प्रत्येक वस्तु को 'खरीदने के लिए लगने वाली कीमत' निर्धारित करें.

इसके बाद आप अनेक गतिविधियां ले सकते हैं:

#1.
बच्चों से कहें कि वे दुकान से खरीदी जाने वाली हर वस्तु की कीमत सहित एक सूची बनाएं. दुकान से वस्तुओं की खरीदी में कुल कितना पैसा लगेगा, इसका हिसाब करने के लिए कहें.

#2. बच्चों को कहें कि यह उन्हें तय करना है कि वस्तुओं की बिक्री से कितना लाभ मिलेगा. उसके अनुसार बच्चों को प्रत्येक वस्तु की बिक्री की कीमत सहित सूची बनाने के लिए कहें.

#3.
दुकानदार को उपयोग के लिए कुछ सिक्के या छुट्टे पैसे दें.

आपको या घर के अन्य सदस्यों को इस दुकान से सामान खरीदने के लिए ग्राहक की भूमिका निभानी है. आप वस्तुओं की कीमत कम करने के लिए दुकानदार से मोलभाव कर सकते हैं.

कुछ वस्तुओं की खरीदी नकद पैसा देकर करें. यह सुनिश्चित करें कि दुकानदार ने आपको शेष पैसे देते समय सही हिसाब लगाया है.

'दुकान के काम का समय' समाप्त होने के बाद आप दुकानदार से निम्नलिखित बातों का सही हिसाब लगाने के लिए कहें.

- बिक्री से मिलने वाला लाभ
- नहीं बिके माल की कीमत

3. परिसर विषय की गतिविधियां

कक्षा तीसरी में 'परिसर' विषय का परिचय दिया गया है. इसमें भौतिक और सामाजिक परिसर शामिल हैं.

कक्षा पहली और दूसरी में सीखने वाले बच्चे भी आपकी सहायता से निम्नलिखित गतिविधियों में से कुछ गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं.

गतिविधि : अपना परिवार

#1.
बच्चों से कहें कि वे एक छोटी कॉपी पर या पोस्टर के माध्यम से परिवार के सभी सदस्यों का चित्र बनाएं. (यहां बच्चों से ज्यों के त्यों चित्र बनाने की अपेक्षा न करें!)

बच्चों के अध्ययन स्तर के अनुसार आप उन्हें उनसे संबंधित अधिक जानकारियां लिखने के लिए कह सकते हैं:

- प्रत्येक सदस्य का नाम

- प्रत्येक सदस्य की आयु

- प्रत्येक सदस्य की पसंद और नापसंद की चीजें

#2.
बच्चे के साथ परिवार के सभी सदस्यों के नामों की एक कच्ची सारणी बनाएं. इसमें दादा, दादी, चाचा, मामा, बुआ, मौसी और चाचा व मामा के भाई आदि शामिल होंगे. फिर बच्चों से कहें कि वे इसी की पक्की सारणी बनाएं. इस दौरान वे रंग भरने या सजावट के लिए अन्य चीजों का उपयोग कर सकते हैं.

यह सारणी बनाने के बाद आप बच्चों से उनके प्रत्येक सदस्य के बारे में और अधिक जानकारियां दे सकते हैं.

#3.
बच्चों से कहें कि वे परिवार के प्रत्येक सदस्य के नाम व उनके नंबर वाली एक छोटी डायरी बनाएं. (इसमें जो व्यक्ति तुम्हारे घर में नहीं रहते, लेकिन नियमित संपर्क में रहते हैं, उनके नाम भी शामिल करें.)

बच्चों से डायरी बनवाने के बाद आप उनसे डायरी में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को फोन करने और उन्हें शुभकामना देने के लिए कह सकते हैं.

गतिविधि : एल्बम

बच्चों से कहें कि वे कॉपी के कोरे पन्नों का उपयोग करते हुए 'कोरा एल्बम' बनाएं.

फिर उन्हें फोटो वाले पुराने समाचार-पत्र और पत्रिकाएं दें. बच्चों को उनमें से फोटो काटने के लिए कहें. निम्नलिखित किसी एक अवधारणा पर बच्चों को एल्बम बनाने के लिए कहें:

- लोक
- स्थान
- व्यवसाय
- खेल
- प्रसिद्ध व्यक्ति
- कपड़े

गतिविधि : पेड़ लगाना

आपकी मदद से बच्चे घर में कई प्रकार की सब्जी व फल देने वाले पौधे लगा सकते हैं. यदि आपके पास गमले नहीं हैं तो आप पानी पीने वाली प्लास्टिक की बोतल (आधी कटी), पुराना कप या बर्तन, प्लास्टिक की ट्रे या कागज के कप आदि उपयोग कर सकते हैं.

बीज बुवाई से शुरुआत करें और बच्चों को निम्नलिखित बिंदुओं का निरीक्षण करने के लिए कहें:

- अंकुर फूटने में कितने दिन लगे.

- हर सप्ताह पौधों की कितनी वृद्धि हुई.

- हम यदि पौधों को पानी देना बंद कर दें तो क्या होगा?

गतिविधि : रद्दी कागज से हस्तकला

बच्चों से पूछें कि रद्दी कागजों से कौन-कौन सी विभिन्न वस्तुएं बनाई जा सकती हैं. इस बारे में कुछ कल्पनाएं:

- चौकोर, आयत, अंडाकार, वृत्ताकार, त्रिकोण और शंकरपिंड आकार
- खेलने के लिए विमान, नाव, अग्निबाण, घर और पेड़
- प्राणियों के आकार
- पॉकेट, टोपी, छोटा बक्सा

इससे पहले कि आप इन कलाकृतियों को बनाना शुरू करें, आपको बच्चों को यह बताना होगा कि उन्हें कैसे बनाना है. इस संबंध में आप बच्चों को यूट्यूब पर उपलब्ध वीडियो दिखा सकते हैं.

संभव हो तो बच्चों को उनकी अपनी कलाकृति आकर्षक बनाने के लिए रंगीन सामग्री उपयोग करने दें.

4. कला विषय की गतिविधियां

पिछले भागों में कला विषय की कुछ गतिविधियां दी गई हैं. कुछ गतिविधियां आगे दी जा रही हैं.

यह गतिविधि दो स्तरों पर आयोजित की जा सकती है:
1. जो बच्चे लिखना सीख रहे हैं, उनके लिए आपको कागज पर कुछ सरल आकृतियां बनानी हैं. बच्चों को उसी तरह की आकृतियां बनाने के लिए कहें. (उनसे ज्यों की त्यों नकल करने की अपेक्षा न करें.)

2. जिन बच्चों ने लेखन कौशल विकसित किया है और जो अलग-अलग आकृतियां बनाते हैं, उनके लिए यह गतिविधियां हैं. बच्चों से कहें कि वे चौकोर, आयत और पिरामिड जैसी अलग-अलग ज्यामितीय आकृतियों का उपयोग करते हुए निराली रचनाएं बनाएं. ये आकृतियां एक-दूसरे को अतिव्याप्त (overlapping) कर सकती हैं.

इन आकृतियों को पेन्सिल या पेन से बनाते हुए उनमें क्रियान या रंगीन पेन्सिलों से रंग भर सकते हैं.

गतिविधि : अपनी पसंद का चित्र बनाएं

यह गतिविधि सुनाने में आसान है. फिर भी अनेक बच्चों को यह दो कारणों से मुश्किल लग सकती है:

- उन्हें कभी खुद से विचार करने का मौका नहीं दिया गया.
- बच्चों को क्या चित्र बनाना है और चित्र को कैसे बनाना है, इस बारे में वयस्क व्यक्तियों की विशेष अपेक्षाएं होती हैं...और बच्चे यह अपेक्षा पूरी नहीं कर पाते.

इनमें से दूसरी बात से आप बच सकते हैं और बच्चों को उनके अपने मन मुताबिक चित्र बनाने का मौका दे सकते हैं.

यदि आप बच्चों को कुछ विशेष विषय सुझाना चाहते हैं तो आप इस प्रकार सुझा सकते हैं:

- कोई प्राकृतिक दृश्य
- घर और एक पेड़, फूलों वाला एक पेड़, फूल, मछली, नाव आदि.
- मोबाइल, टीवी, खिड़की या दरवाजा जैसी घर की वस्तुएं
- खुद या घर के अन्य सदस्यों के चित्र

बच्चों के चित्र बनने के बाद उनसे कहें कि वे अपने चित्रों के बारे में अधिक जानकारी दें.
बच्चों के प्रयास पर टिप्पणी करने या उनकी आलोचना करने से बचें.

गतिविधि : रंगोली का नमूना

एक कोरे कागज पर रंगोली बनाने के लिए नमूना दिखाएं या रंगोली के Google Image देखें.

फिर आप बच्चों से इस प्रकार की चीजें करने के लिए कह सकते हैं:

- रंगोली में रंग भरें
- दीपक या पंक्ति पर तुअर दाल या रंगीन बटन जैसी छोटी चीजें चिपकाएं.
- स्वत: रंगोली बनाएं और उसमें रंग भरें.

गतिविधि : वर्गों से बनी रचनाएं

बच्चों से कहें कि वे एक वर्ग बनाएं. इस वर्ग में 16, 25 या 36 छोटे चौकोर हों. प्रत्येक छोटे चौकोर में अलग-अलग रंगों का उपयोग करते हुए रंगों की एक सुंदर रचना बनाएं. इस बारे में नीचे दो उदाहरण दिए गए हैं.

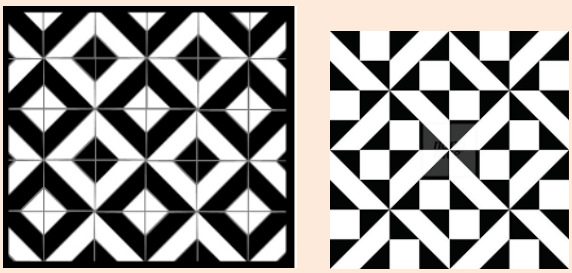

गतिविधि : देखें और चित्र बनाएं

जिन बच्चों को प्राथमिक आकृतियां बनानी आती हैं, उनके साथ यह गतिविधि आयोजित कराई जा सकती है.

बच्चों से कहें कि वे किसी वस्तु का निरीक्षण करके उसका चित्र बनाएं. आप बच्चों से इस प्रकार के चित्र बनाने के लिए कह सकते हैं:

- बाल्टी, मग, साबुन रखने का बक्सा
- चम्मच, थाली, कप, बशी
- स्क्रू ड्रायव्हर, हथोड़ा, कैंची
- बल्ब, ट्यूबलाइट, पंखा

***